Edition: June 2026

HAMETI DARPAN

MONTHLY NEWS LETTER

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENSION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

By-Pass Rohtak Road, JIND-126 102 (Haryana)

विजयेंद्र कुमार, IAS
अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा

मुझे यह कहते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि हरियाणा कृषि प्रबन्धन एंव प्रशिक्षण संस्थान "हमेटी" अपने मासिक समाचार पत्र "हमेटी दर्पण" का प्रकाशन कर रहा है । इस समाचार पत्र के माध्यम से कृषि से सम्बन्धित सभी अवश्यक सुचनाएं, सलाह, कृषि एवं किसान विभाग द्वारा किसान हित में चलाई जा रही योजनाएं व किसानों के लिए आयोजित किए जाने प्रशिक्षणों की जानकारी समय पर गाँव गाँव तक पहुँच सकेगी । यह समाचार पत्र किसानों को "हमेटी व कृषि एंव किसान कल्याण विभाग के साथ जोड़ने में मददगार होगा । मैं इस मासिक समाचार पत्रिका हमेटी दर्पण "के सफल प्रकाशन की कामना करता हू ।"

श्री राजनरायण कौशिक IAS
महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है । हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा। मैं हमेटी की मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' के सफल प्रकाशन की मंगलकामना करता हूं और पुनः हमेटी स्टाफ को इस नई पहल के लिए बधाई देता हूँ ।

डॉ सुरेंद्र सिंह यादव
निदेशक , हमेटी , जींद

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है । 'हमेटी दर्पण' किसानों के लिए ज्ञानवर्धक पत्रिका साबित होगी। हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा।

संपादक की कलम से ...

किसान भाइयो जैसा की आप सभी को विदित है जल प्रकृति की अमूल्य देन है जो जीवन के लिए अति आवश्यक तत्व है व इसका कोई अन्य विकल्प भी नहीं है । मनुष्य के साथ-साथ पेड़-पौधों, जीव- जंतुओं, पशु-पक्षियों आदि सभी का जीवन जल के बगैर संभव ही नहीं है। इस ब्रह्मांड में कुल उपलब्ध पानी का लगभग 97% हिस्सा पीने या खेती के योग्य ही नही है जो की समुद्रों में भरा पड़ा है। केवल 3% पानी ही पीने या कृषि योग्य है। इसमें से भी लगभग 1.5% पानी बर्फ के रूप में ग्लेशियरों पर जमा पड़ा है। प्रकृति की इस अमूल्य धरोहर का प्रयोग हमें सोच समझ कर करना चाहिए। इसे कभी भी व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। जल का बचाव करना हम सब का नैतिक कर्तव्य है। हमें इसका सदुपयोग करना होगा। आईए हम सब भारत सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे "जल शक्ति अभियान" व "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के साथ जुड़कर जल बचाओ व जल संरक्षण में अपना योगदान दें। बारिश का सीजन शुरू हो चुका है, वर्षा के पानी का ज्यादा से ज्यादा संरक्षण करें। अपने खेत की मेड़ों को मजबूत बनाकर बारिश के पानी को अपने खेत में ही रोकें, इसे व्यर्थ न जाने दें। फालतू पानी को रिचार्ज बोरवेल से जमीन में नीचे उतारें और वाटर रिचार्जिंग करें। धान की बजाय कम पानी की जरूरत वाली फसलों को प्राथमिकता दे। धान को छोड़कर दूसरी अन्य फ़सलों की बिजाई करने या खेत खाली छोड़ने पर हरियाणा सरकार की ₹8000 प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देनें वाली "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी कल्याणकारी योजना का फायदा उठाएं। धान की भी सीधी बिजाई को ही अपनाएं। अपने खेतों में व आसपास की जमीन में ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाएं। सिंचाई हेतु तालाब बनाकर टपका या फव्वारा जैसी जल बचाने वाली सिंचाई की विधि अपनाएं। प्राकृतिक खेती को अपनाएं व अपनी फसलों में आच्छादन/मलचिंग का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। जहरीले कीटनाशकों व रसायनिक उर्वरकों का कम से कम प्रयोग कर पानी को प्रदूषित होने से बचाएं। अपने दैनिक कार्यों में भी जल का सदुपयोग कर पानी की एक-एक बूंद को बचाएं।

आईए, जल बचाव व जल संरक्षण वाले इस पुण्य के कार्य में हम सब अपनी भागीदारी निभाएं।

" जल है तो जीवन है "

"रहिमन पानी राखिय बिन पानी सब सुन , पानी गए ना उपजे मोती ,मानुष , चून "

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

प्राकृतिक खेती पर सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (CRP) के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय चरण के दौरान 02 जून 2026 को हैमेटी, जींद में कृषि विज्ञान केंद्र, पांडु पिंडारा, जींद, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के जिला विस्तार विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान) डॉ. धीरज पांगल ने "प्राकृतिक खेती में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन" विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम हैमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

व्याख्यान में प्राकृतिक खेती के माध्यम से मृदा की उर्वरता बढ़ाने, मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने, लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता को प्रोत्साहित करने तथा दीर्घकालिक कृषि उत्पादकता के लिए टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने पर विशेष बल दिया गया।

इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (CRP) के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं तथा प्राकृतिक, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण के दौरान (CRP) ने अपने मैदानी अनुभव साझा किए

हमेटी जींद में 01 जून से 05 जून 2026 तक आयोजित सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (CRP) के लिए 5 दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय बैच के प्रातःकालीन सत्र में प्रतिभागियों ने निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में प्राकृतिक खेती के क्रियान्वयन के दौरान प्राप्त अपने मैदानी अनुभव, उपलब्धियाँ तथा सामने आई चुनौतियों को सक्रिय रूप से साझा किया।

इस सहभागितापूर्ण समूह चर्चा ने ज्ञान के आदान-प्रदान, समस्याओं के समाधान तथा सफल मैदानी अनुभवों को साझा करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया। इससे प्रतिभागियों को एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और प्रोंतिक खेती को प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने की अपनी क्षमता को सुदृढ़ करने का अवसर मिला।

इस प्रकार के सहभागितापूर्ण शिक्षण सत्र जमीनी स्तर पर टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल एवं प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कुरुक्षेत्र एवं कैथल में प्राकृतिक खेती फार्मों का शैक्षणिक भ्रमण

हमेटी, जींद में 01 जून से 05 जून 2026 तक आयोजित 5 दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सीआरपी प्रशिक्षुओं ने निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में गुरुकुल, कुरुक्षेत्र स्थित प्राकृतिक खेती फार्म तथा कैथल जिले के करौरा गांव में सीआरपी किसान श्री मनोज के प्रोंतिक खेती फार्म का शैक्षणिक भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने प्राकृतिक खेती के सफल मॉडल देखे, प्रगतिशील किसानों से बातचीत की तथा प्राकृतिक खेती, जीवामृत एवं अन्य जैविक घोलों की तैयारी, मिट्टी के स्वास्थ्य प्रबंधन और पर्यावरण-अनुकूल फसल उत्पादन की तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की।

इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण प्रतिभागियों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाते हैं और किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमेटी जींद में विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता अभियान आयोजित

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हमेटी, जींद में पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव ने त्रिवेणी (पीपल, बरगद एवं नीम) का पौधा रोपित किया। साथ ही प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे सीआरपी किसानों ने भी पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतिभागियों ने प्राकृतिक खेती को अपनाने और बढ़ावा देने का संकल्प लिया। उन्होंने माना कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी, जल, जैव विविधता तथा मानव स्वास्थ्य की रक्षा होती है और रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम होती है। इस अभियान के माध्यम से सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ भविष्य बनाने का आह्वान किया गया।

हमेटी जींद में फसल उत्पादन में गुणवत्तापूर्ण बीज के महत्व पर विशेषज्ञ व्याख्यान

06 जून 2026 को हमेटी, जींद में आयोजित DAESI बेच TP-3415 के प्रातःकालीन सत्र में निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में सवाना सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा के सीड क्वालिटी हेड डॉ. विनोद कुमार ने 'फसल उत्पादन में गुणवत्तापूर्ण बीज का महत्व' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

अपने व्याख्यान में उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण बीज से बेहतर अंकुरण, स्वस्थ फसल, अधिक उत्पादन तथा किसानों की आय में वृद्धि होती है। साथ ही प्रतिभागियों को बीज की गुणवत्ता के मानकों तथा अच्छे बीज के चयन की सही जानकारी भी दी गई। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ वैज्ञानिक खेती को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमेटी, जींद में कपास में गुलाबी सुंडी एवं कीट प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी, जींद में आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 15 जून 2026 को निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में चौधरी चरण सिंह हरियाणा ेषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार के पौधा प्रजनन विभाग, कपास अनुभाग के सहायक कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़ ने 'कपास में कीट प्रबंधन एवं विशेष रूप से गुलाबी सुंडी (पिंक बॉलवर्म) के प्रबंधन' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

इस सत्र में कपास की फसल में लगने वाले प्रमुख कीटों की पहचान, उनकी निगरानी तथा प्रभावी प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेष रूप से गुलाबी सुंडी (पिंक ब लवर्म) की रोकथाम एवं समेकित कीट प्रबंधन (IPM) के उपायों पर चर्चा की गई, ताकि फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन को सुरक्षित रखा जा सके।

इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों के तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ वैज्ञानिक फसल संरक्षण उपायों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे कपास का टिकाऊ एवं लाभदायक उत्पादन सुनिश्चित हो सके।

हमेटी, जींद में कपास उत्पादन तकनीक के प्रचार-प्रसार पर विशेषज्ञ व्याख्यान

एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित कपास उत्पादन तकनीक पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक्सटेंशन एजुकेशन इंस्टीट्यूट, निलोखेड़ी (हरियाणा) के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार रोहिल्ला ने 'कपास उत्पादन तकनीक के प्रभावी प्रचार-प्रसार एवं किसानों को प्रेरित करने की तकनीकें' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

अपने व्याख्यान में उन्होंने किसानों तक नई कृषि तकनीकों को प्रभावी ढंग से पहुँचाने, संचार कौशल विकसित करने, प्रेरणादायक विस्तार विधियों तथा आधुनिक प्रचार-प्रसार के माध्यमों के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। ऐसे विशेषज्ञ व्याख्यान प्रतिभागियों की प्रसार क्षमता को सुदृढ़ करते हैं तथा वैज्ञानिक कपास उत्पादन तकनीकों को किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में कपास उत्पादन तकनीक पर दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का सफल समापन

एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में 15 जून से 16 जून 2026 तक आयोजित कपास उत्पादन तकनीक पर दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन अवसर पर प्रतिभागियों के साथ समूह छायाचित्र लिया गया। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कपास की उन्नत उत्पादन तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन, वैज्ञानिक खेती की नवीनतम विधियों तथा उत्पादकता बढ़ाने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गईं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों एवं कृषि कार्मिकों की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करते हैं तथा वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमेटी, जींद में कपास की उन्नत खेती पर विशेषज्ञ व्याख्यान

जींद में NFSNM योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 16 जून 2026 को निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, कपास अनुभाग के वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. करमल सिंह ने ष्कपास की उत्पादकता बढ़ाने हेतु उन्नत कृषि कार्यों का पैकेज (Advanced Package of Practice) विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

इस सत्र में कपास की उन्नत उत्पादन तकनीकों, वैज्ञानिक फसल प्रबंधन तथा आधुनिक खेती की विधियों की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को ऐसे उपाय बताए गए, जिनसे कपास की उत्पादकता, लाभप्रदता तथा टिकाऊ खेती को बढ़ावा मिल सके।

गांव मेहरा, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित

प्राकृतिक खेती क्लस्टर गठन योजना के अंतर्गत कुरुक्षेत्र जिले के लाडवा ब्लॉक के गांव मेहरा में निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में 'प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांत' विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में किसानों को प्रोंतिक खेती की अवधारणा, कम लागत वाली खेती, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार तथा टिकाऊ कृषि के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही प्राकृतिक खेती अपनाकर पर्यावरण संरक्षण एवं किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की गई। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक एवं पर्यावरण-अनुकूल खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं तथा गांव स्तर पर प्राकृतिक खेती क्लस्टर के गठन को बढ़ावा देते हैं।

गांव जोगी माजरा, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

18 जून 2026 को प्राकृतिक खेती क्लस्टर गठन योजना के अंतर्गत कुरुक्षेत्र जिले के लाडवा ब्लॉक के गांव जोगी माजरा में निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में 'प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांत' विषय पर किसानों के लिए जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस सत्र में किसानों को प्राकृतिक खेती की मूल अवधारणाओं, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, कम लागत वाली खेती की तकनीकों तथा रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही दीर्घकालीन टिकाऊ कृषि और पर्यावरण संरक्षण में प्राकृतिक खेती की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

जींद में कपास के महत्व, इतिहास एवं बीज उत्पादन तकनीक पर विशेषज्ञ व्याख्यान

जींद में NFSNM योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 18 जून 2026 को निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, कपास अनुभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. दीपक कुमार ने ‘कपास का महत्व एवं उपयोग, भारत में कपास की खेती का इतिहास तथा कपास की बीज उत्पादन तकनीक’ विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

इस सत्र में कपास के आर्थिक महत्व, इसके विभिन्न उपयोगों, भारत में कपास की खेती के ऐतिहासिक विकास तथा गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही बेहतर उत्पादन एवं उच्च गुणवत्ता वाली फसल प्राप्त करने के लिए बीज उत्पादन की आधुनिक विधियों पर भी चर्चा की गई।

जींद में कपास की उत्पादकता बढ़ाने हेतु उन्नत कृषि तकनीकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

जींद में NFSNM योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 18 जून 2026 को निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, कपास अनुभाग के कृषि वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. करमल सिंह ने 'हरियाणा में कपास की उत्पादकता बढ़ाने हेतु उन्नत कृषि तकनीकें एवं विशेष रूप से कपास की खेती में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

इस सत्र में कपास की उन्नत कृषि तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग तथा टिकाऊ खेती की आधुनिक विधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को ऐसे वैज्ञानिक उपाय बताए गए, जिनसे हरियाणा में कपास की उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाई जा सके। इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं तथा वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कपास उत्पादन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमेटी जींद में कपास की उत्पादकता बढ़ाने हेतु संचार कौशल एवं कृषि प्रसार तकनीकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी जींद में NFSNM योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 19 जून 2026 को निदेशक हमेटी डॉ. सुरेंद्र यादव के मार्गदर्शन में जींद के मनोवैज्ञानिक श्री नरेश जांगड़ा ने 'कपास की उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों तक प्रभावी पहुँच बनाने हेतु संचार कौशल एवं नवाचार आधारित कृषि प्रसार तकनीकें' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

इस सत्र में प्रभावी संचार कौशल, किसानों को प्रेरित करने के तरीके तथा आधुनिक एवं नवाचार आधारित कृषि प्रसार माध्यमों की जानकारी दी गई। साथ ही वैज्ञानिक कपास उत्पादन तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुँचाने और उन्हें अपनाने के लिए प्रभावी संवाद एवं प्रसार की रणनीतियों पर चर्चा की गई। इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के कृषि प्रसार एवं संचार कौशल को सुदृढ़ करते हैं तथा किसानों तक कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी के प्रभावी प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

फतेहाबाद के ललौदा गाँव में प्राकृतिक खेती पर गोष्ठी एवं प्रशिक्षण आयोजित

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, फतेहाबाद एवं हमेटी, जींद के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम ललौदा, जिला फतेहाबाद मे प्राकृतिक खेती विषय पर गोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री सुभाष बराला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाकर लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने तथा सुरक्षित एवं स्वस्थ कृषि को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर हमेटी, जींद के प्रोंतिक खेती प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चन्द्र ने किसानों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांतों, जीवामृत, घनजीवामृत, मल्चिंग, वाफसा तथा अन्य महत्वपूर्ण तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम भी है।

हमेटी, जींद में कपास खेती की वर्तमान स्थिति एवं बीटी कपास प्रौद्योगिकी के भविष्य पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSNM) के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, दिनांक 23 जून 2026 को सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग (कॉटन अनुभाग) के सहायक वैज्ञानिक डॉ. संदीप कुमार ने 'हरियाणा में कपास खेती की वर्तमान स्थिति एवं बीटी कपास प्रौद्योगिकी का भविष्य' विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

अपने व्याख्यान में डॉ. संदीप कुमार ने हरियाणा में कपास की वर्तमान खेती की स्थिति, उभरती चुनौतियों एवं संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने बीटी कपास प्रौद्योगिकी की भूमिका पर चर्चा करते हुए बताया कि यह तकनीक कपास उत्पादन की उत्पादकता, स्थिरता तथा किसानों की आय एवं लाभप्रदता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को समृद्ध करने के साथ-साथ वैज्ञानिक एवं नवाचार आधारित कपास उत्पादन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

कृषि प्रसार में सोशल मीडिया के उपयोग पर विशेषज्ञ व्याख्यान, हमेटी जींद

हमेटी, जींद में एनएफएसएनएम (NFSNM) योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 24 जून 2026 को डॉ. अजय कुमार, सहायक प्रोफेसर, एक्सटेंशन एजुकेशन इंस्टीट्यूट (EEI), नीलोखेड़ी, करनाल ने 'कपास उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु कृषि प्रसार गतिविधियों में सोशल मीडिया के उपयोग' विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

इस सत्र में डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया टूल्स तथा प्रभावी संचार रणनीतियों के माध्यम से किसानों तक कपास उत्पादन की आधुनिक तकनीकों को अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के विभिन्न तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं की क्षमता को सुदृढ़ करते हैं तथा आधुनिक संचार माध्यमों के माध्यम से कृषि तकनीकों के व्यापक प्रसार को बढ़ावा देते हैं।

हमेटी, जींद में कपास उत्पादन हेतु प्रसार एवं प्रचार तकनीकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSNM) के अंतर्गत हैमेटी, जींद में आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, दिनांक 24 जून 2026 को एक्सटेंशन एजुकेशन इंस्टीट्यूट (EEI), नीलोखेड़ी, करनाल के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार रोहिल्ला ने 'किसानों तक कपास उत्पादन तकनीक के प्रसार एवं प्रचार के लिए प्रेरणात्मक तकनीकें' विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम हैमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस व्याख्यान में प्रभावी संचार कौशल, किसानों को प्रेरित करने की रणनीतियों तथा वैज्ञानिक कपास उत्पादन तकनीकों को किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए नवाचार आधारित प्रसार विधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीकों को प्रभावी ढंग से पहुँचाने में प्रसार कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया।

हमेटी, जींद में कपास की उन्नत कृषि तकनीकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSNM) के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित दो दिवसीय कपास उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, दिनांक 24 जून 2026 को सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग (कॉटन अनुभाग) के कृषिविज्ञानी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. करमल सिंह ने 'हरियाणा में कपास का क्षेत्रफल एवं उत्पादकता बढ़ाने हेतु उन्नत कृषि तकनीकें' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस व्याख्यान में उन्नतकृषि पद्धतियों, वैज्ञानिक फसल प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा टिकाऊ कपास खेती के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने की प्रभावी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही हरियाणा में कपास उत्पादन को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाने के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उन्नत एवं वैज्ञानिक कपास उत्पादन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

कुरुक्षेत्र एवं अहीरका में प्राकृतिक खेती फार्मों का एक्सपोजर भ्रमण

सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (CRP) के लिए आयोजित 5 दिवसीय प्रोंतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षुओं का गुरुकुल, कुरुक्षेत्र स्थित प्राकृतिक खेती फार्म तथा एस एंड एस अ गेनिक फार्म, ग्राम अहीरका का एक्सपोजर भ्रमण आयोजित किया गया। यह भ्रमण हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने प्रोंतिक खेती के सफल मॉडलों का अवलोकन किया तथा क्षेत्रीय प्रदर्शन एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से टिकाऊ खेती की आधुनिक विधियों, जैव-आधारित कृषि आदानों (बायो-इनपुट्स) की तैयारी, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। इस प्रकार के एक्सपोजर भ्रमण प्रतिभागियों के व्यावहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं तथा सतत कृषि विकास के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाने हेतु प्रेरित करते हैं।

हमेटी, जींद में फसल विविधीकरण एवं कृषि वानिकी पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी, जींद में 22 जून से 26 जून 2026 तक आयोजित प्रोंतिक खेती पर सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों(CRPs) के द्वितीय चरण के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान केवीके अंबाला के जिला विस्तार विशेषज्ञ (उद्यान) डॉ. देवेन्द्र चाहल ने फसल विविधीकरण एवं कृषि वानिकी विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डा. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उन्होंने किसानों को फसल विविधीकरण एवं कृषि वानिकी के माध्यम से आय बढ़ाने, मिट्टी की उर्वरता सुधारने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा जलवायु अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि प्रणाली अपनाने के महत्व से अवगत कराया।

इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम सीआरपी प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को सुध्द्रढ़ करते हैं तथा किसानों के बीच प्राकृतिक एवं सतत कृषि पद्धतियों के प्रभावी प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डीएईएसआई प्रशिक्षुओं का सीसीएस एचएयू, हिसार शैक्षणिक भ्रमण

डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI) टीपी-3414 के अंतर्गत हमेटी, जींद के प्रशिक्षुओं ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा ेषि विश्वविद्यालय (CCS HAU), हिसार का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह भ्रमण हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षुओं ने एग्रो-मौसम विज्ञान वेधशाला (Agro & Meteorological Observatory) का दौरा किया, जहाँ वैज्ञानिक ड. अनिल ने विभिन्न मौसम संबंधी मानकों तथा कृषि निर्णयों में उनकी उपयोगिता की विस्तृत जानकारी दी।

इसके पश्चात प्रशिक्षुओं ने कृषि विज्ञान विभाग स्थित इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम (IFS) लाइव मॉडल का अवलोकन किया, जहाँ डॉ. दादरवाल, सहायक वैज्ञानिक (एग्रोनॉमी) एवं प्रभारी, IFS ने एकीत कृषि प्रणाली के माध्यम से टिकाऊ एवं लाभकारी खेती के व्यावहारिक मॉडल से अवगत कराया।

ऐसे शैक्षणिक भ्रमण प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं, तकनीकी दक्षता बढ़ाते हैं तथा वैज्ञानिक एवं सतत कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्राकृतिक खेती प्रदर्शन फार्म मॉडल पर प्रशिक्षुओं ने किया प्रस्तुतीकरण

हमेटी, जींद में 22 जून से 26 जून 2026 तक आयोजित कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (CRPs) के लिए प्रोंतिक खेती के द्वितीय चरण के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने अपने-अपने जिलों की कृषि जलवायु परिस्थितियों के आधार पर तैयार किए गए प्राकृतिक खेती प्रदर्शन फार्म (Demonstration Farm) मॉडल का प्रस्तुतीकरण किया तथा उस पर विस्तृत चर्चा की। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षुओं ने जिला-स्तरीय मंथन (Brainstorming) के आधार पर तैयार किए गए मॉडलों के माध्यम से प्राकृतिक खेती को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप प्रभावी ढंग से लागू करने के सुझाव साझा किए। इस दौरान विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों के बीच विचार-विमर्श से व्यवहारिक समाधान और नवाचारों पर भी चर्चा हुई।

ऐसी सहभागितापूर्ण गतिविधियाँ प्रशिक्षुओं की तकनीकी क्षमता को मजबूत करती हैं तथा जिला स्तर पर प्राकृतिक खेती के प्रभावी विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण

हमेटी, जींद द्वारा 22 जून से 26 जून 2026 तक आयोजित कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (CRP) के लिए प्राकृतिक खेती पर 5 दिवसीय द्वितीय चरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। समापन अवसर पर प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों, जैविक आदानों की तैयारी, मिट्टी की सेहत, कम लागत वाली खेती और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई।

ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम CRP की क्षमता बढ़ाते हैं और गांव स्तर पर प्राकृतिक खेती के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डीएईएसआई प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी, जींद में आयोजित डीएईएसआई (Diploma in Agricultural EÛtension Services for Input Dealer) प्रशिक्षण बैच TP-3460, नूंह के 28 जून 2026 के सायंकालीन सत्र में जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय, सोहना (गुरुग्राम) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रविंद्र नाथ ने फसलों में खरपतवारों के प्रकार (Types of Weeds in Crop) विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

अपने व्याख्यान में उन्होंने विभिन्न प्रकार के खरपतवारों की पहचान, उनके फसलों पर होने वाले दुष्प्रभाव तथा वैज्ञानिक एवं प्रभावी खरपतवार प्रबंधन तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही समय पर खरपतवार नियंत्रण के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

ऐसे विशेषज्ञ व्याख्यान प्रशिक्षुओं की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करते हैं तथा किसानों तक वैज्ञानिक कृषि तकनीकों के प्रभावी प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डीएईएसआई प्रशिक्षण में कृषि प्रसार विधियों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी, जींद में आयोजित डीएईएसआई प्रशिक्षण बैच TP-3201 के 28 जून 2026 के सायंकालीन सत्र में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (PAU), लुधियाना के पीएच.डी. शोधार्थी (कृषि प्रसार शिक्षा) डॉ. अर्जुन ने कृषि प्रसार की विभिन्न विधियाँ जैसे प्रशिक्षण, प्रदर्शन, प्रदर्शनी एवं किसान मेलों का उद्देश्य एवं आयोजन की प्रक्रिया विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। व्याख्यान के दौरान उन्होंने किसानों तक कृषि तकनीकों के प्रभावी प्रसार में विभिन्न प्रसार विधियों की भूमिका, उनके उद्देश्य तथा सफल आयोजन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही प्रतिभागियों को व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से कृषि प्रसार गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने के उपाय भी बताए।

ऐसे विशेषज्ञ व्याख्यान प्रशिक्षुओं की प्रसार संबंधी दक्षता को सुदृढ़ करते हैं तथा किसानों तक वैज्ञानिक कृषि तकनीकों के प्रभावी प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

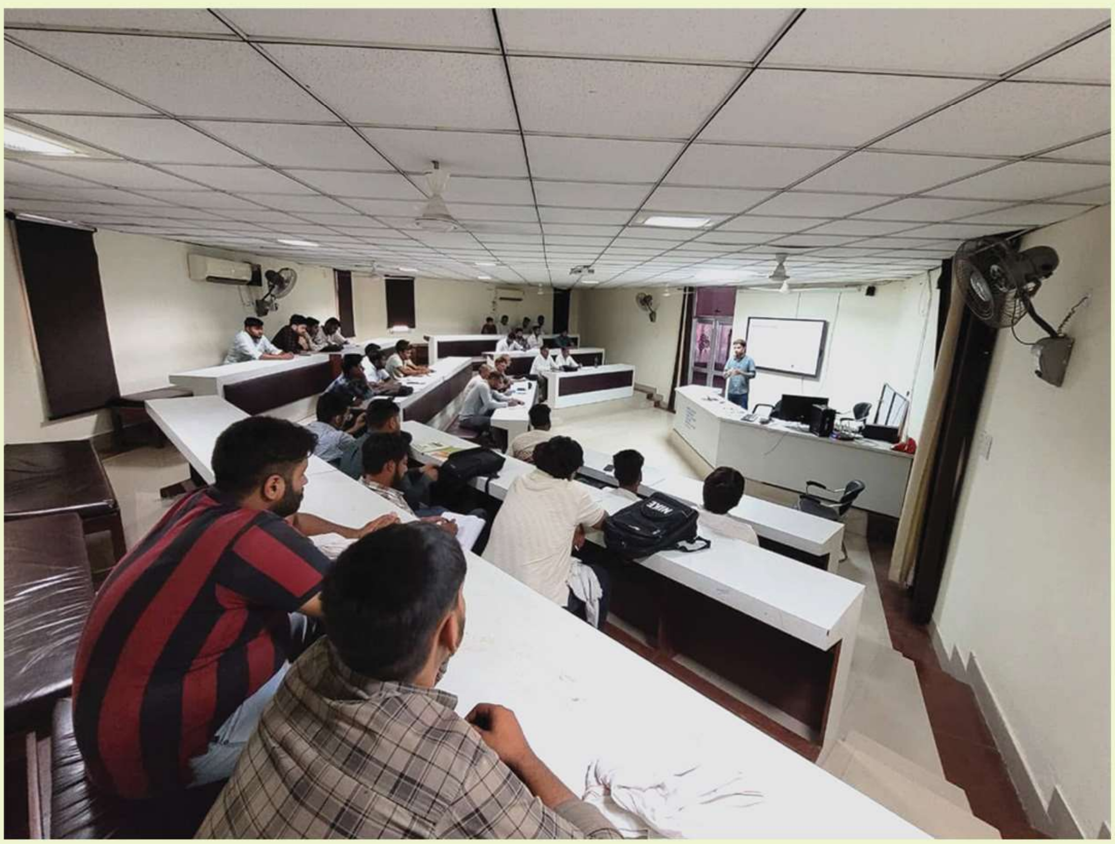

प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण में अनुभव एवं चुनौतियों पर चर्चा

हमेटी, जींद में 29 जून से 03 जुलाई 2026 तक आयोजित कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (CRP) के लिए प्राकृतिक खेती पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने प्राकृतिक खेती से जुड़े अपने अनुभवों, उपलब्धियों और क्षेत्र स्तर पर आने वाली चुनौतियों पर समूह चर्चा की। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

चर्चा के दौरान प्रतिभागियों ने किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती अपनाने में आने वाली समस्याओं, जैविक आदानों की तैयारी, फील्ड स्तर की चुनौतियों और उनके व्यावहारिक समाधान पर विचार साझा किए। ऐसी सहभागितापूर्ण गतिविधियाँ CRP की क्षमता को मजबूत करती हैं और प्राकृतिक खेती के प्रभावी प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी, जींद में 29 जून से 03 जुलाई 2026 तक आयोजित कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (CRP) के लिए प्राकृतिक खेती के 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर एएससीओ, जींद के डॉ. संत कुमार मलिक ने प्राकृतिक खेती में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, मृदा परीक्षण का महत्व एवं मृदा नमूना लेने की वैज्ञानिक विधि विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

अपने व्याख्यान में उन्होंने मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने, नियमित मृदा परीक्षण कराने तथा वैज्ञानिक तरीके से मृदा नमूना संग्रह करने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन और स्वस्थ मिट्टी प्राकृतिक खेती की सफलता की आधारशिला हैं। ऐसे विशेषज्ञ व्याख्यान प्रशिक्षुओं की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करते हैं तथा प्राकृतिक खेती को वैज्ञानिक एवं टिकाऊ स्वरूप में अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (MANAGE), हैदराबाद एवं हमेटी, जींद के संयुक्त तत्वावधान में कृषि विस्तार अधिकारियों के लिए प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज MANAGE के निदेशक (CCA) डॉ. एन. बालासुब्रमणि द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।उद्घाटन सत्र में डॉ. भारत सिंह घांघस, एसोसिएट प्रोफेसर, कृषि महाविद्यालय, सीसीएसएचएयू, हिसार, डॉ. आर. एस. सग्गू, उप निदेशक (AEM), डॉ. सुभाष चन्द्र, प्रशिक्षण सलाहकार (प्राकृतिक खेती), हमेटी एवं कार्यक्रम समन्वयक, तथा डॉ. हरभगवान कम्बोज, फैसिलिटेटर, हमेटी भी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि विस्तार अधिकारियों को प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों, वैज्ञानिक तकनीकों एवं किसानों तक इनके प्रभावी प्रसार के लिए आवश्यक व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान करना है।

ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विस्तार तंत्र को सशक्त बनाने तथा प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Media Coversage

ग को देखते हुए आवेदन की तिथि के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित आधारित शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है। अवलोकन करते रहें।

कृषि में खर्चे और बीमारियों से बचना है तो अपनाएं प्राकृतिक खेती : डॉ. सुभाष चन्द्र

किसानों को संबोधित करते डॉ. सुभाष लाठर और मौजूद किसान।

जींद, 24 जून (ललित) : याणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार शिक्षण संस्थान हमेटी जींद के देशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह यादव दिशा-निर्देशन में चल रहे शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आर.पी. किसानों ने अहिरका स्थित एस. एंड एस. ऑर्गैनिक र्म का भ्रमण किया।

इस अवसर पर किसानों ने कृतिक खेती की विभिन्न नीकों के सफल परिणामों का लोकन किया। भ्रमण दौरान सानों को बहुस्तरीय एवं बहुफसलीय प्रणालियों के उत्कृष्ट मॉडल देखने को मिले, जिनसे प्रभावित होकर किसानों ने इन तकनीकों को अपने खेतों में अपनाने की इच्छा जताई।

डॉ. सुभाष चन्द्र ने किसानों को प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों, तकनीकों एवं इसके दीर्घकालिक लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती न केवल उत्पादन लागत को कम करती है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता एवं पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम में उपस्थित हरको फैडरेशन के ए.सी.ई.ओ. ऋषिपाल श्योकंद ने किसानों को उनके हित में शुरू की गई योजना के बारे में जानकारी देते हुए इसके लाभों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त कृषि एवं किसान कल्याण विभाग जींद के सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी डॉ. ईश्वर दत्त ने हरियाणा सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी सांझा की।

कार्यक्रम में गुण नियंत्रण निरीक्षक डॉ. नरेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे। वहीं, प्रगतिशील महिला किसान सुमित्रा रानी ने किसानों को प्राकृतिक उत्पादों की विशेषताओं एवं उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी।

इस भ्रमण कार्यक्रम में अहिरका गांव के लगभग 40 किसानों ने भाग लिया और प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया।

Media Coversage

सी.आर.पी. किसानों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर प्राकृतिक खेती और पौधारोपण का दिया संदेश

सी.आर.पी. कार्यक्रम के समापन पर मौजूद किसान।

जींद, 5 जून (ललित) : हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी) जींद में सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (सी.आर.पी.) किसानों के लिए आयोजित 5 दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह यादव ने प्रतिभागी किसानों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

डॉ. सुरेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि आज पूरा विश्व अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस मना रहा है और वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। प्राकृतिक खेती पर्यावरण संरक्षण का सबसे सशक्त माध्यम है, जो मिट्टी, जल, वायु और मानव स्वास्थ्य सभी के लिए लाभकारी है। रासायनिक खेती से जहां भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है, वहीं प्राकृतिक खेती उसे पुनर्जीवित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं और सी.आर.पी. किसानों की इसमें अहम भूमिका है। ये प्रशिक्षित किसान गांव-गांव जाकर अन्य किसानों को प्रेरित करेंगे और प्राकृतिक खेती के मॉडल विकसित कर इसके विस्तार में योगदान देंगे।

इस अवसर पर हमेटी परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। निदेशक डॉ. यादव ने स्वयं त्रिवेणी (पीपल, बरगद एवं नीम) का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एक-एक पौधा लगाकर हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण दे सकते हैं। मुख्य प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चंद्र ने बताया कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण में किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों जैसे जीवामृत, धनजीवाअमृत, बीजाअमृत, आच्छादन (मल्चिंग) व विविध फसली प्रणाली के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई। सी.आर.पी. किसान प्राकृतिक खेती के विस्तार में परिवर्तन के वाहक के रूप में कार्य करेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के सफल मॉडल, खेत भ्रमण एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से भी अवगत कराया गया।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

सत्यमेव जयते

MANAGE
मैनेज

HELPLINE NUMBER
(NATION WIDE)

Information related to

NATURAL FARMING

Specifically for Master Trainers, Training Coordinators and Facilitators of *Krishi Sakhis*

HELP LINE

DIAL - 1800-599-1557

Timings - 9:00 A.M to 5.30 P.M
(Monday to Friday) All working days

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE)
(An Autonomous Organization of Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India)
Rajendranagar, Hyderabad 500 030, Telangana
www.manage.gov.in/nf/nf.asp

Follow us on

https://www.facebook.com/people/Hameti-Agriculture-Govt-Of-Haryana/100085796884495

https://www.instagram.com/hameti_jind?igsh=MW9tamg5cDV5eXpvMA==

https://www.youtube.com/@hametijind

https://x.com/Hameti_jind?t=SmkjZTrWKua5StdnrfwW4Q&s=08

TOLLFREE NUMBER: 18001803001 / 18001804002 / 1800180311/ 18001801551

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

Near Ch. Rabir Singh unioversity, Rohtak By-Pass, Jind-126102 Haryana

hametijind@gmail.com   01681-256453